सेल SAIL

समझौता ज्ञापन

2014–15

इस्पात मंत्रालय

एवं

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड

समझौता ज्ञापन

(एम ओ यू)

2014-15

इस्पात मंत्रालय

एवं

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड

विषय-सूची

1. सेल के लक्ष्य/ध्येय एवं उद्देश्य

2. सरकार की ओर से वचनबद्धता/सहायता

3. कार्यनिष्पादन मूल्यांकन लक्ष्य एवं उनका निर्धारण

4. समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन और अनुवीक्षण के लिये कार्ययोजना

1. सेल के लक्ष्य/ध्येय एवं उद्देश्य:

1.1 लक्ष्य/ध्येय:

सेल का ध्येय निम्नानुसार है:

"एक सम्मानित विश्वस्तरीय प्रतिष्ठान बनने के साथ-साथ भारतीय इस्पात व्यवसाय में गुणवत्ता, उत्पादकता, लाभप्रदता और उपभोक्ता संतुष्टि के क्षेत्र में अग्रणी रहना।"

ध्येय के अतिरिक्त, सेल के मूल सिद्धांत (Credo) निम्नलिखित हैं:

- हम उपभोक्ताओं के साथ विश्वास और पारस्परिक हित पर आधारित चिरस्थायी संबंध बनाते हैं।
- हम अपने व्यवसाय के संचालन में सर्वोच्च नैतिक मानकों को कायम रखते हैं।
- हम एक ऐसी संस्कृति का सृजन और पोषण करते हैं जो नम्यता और ज्ञानार्जन की समर्थक और परिवर्तन के प्रति सहक्रियात्मक हो।
- हम कर्मचारियों के लिए प्रगति और पुरस्कार के अवसरों से युक्त चुनौतीपूर्ण रोज़गार प्रस्तुत करते हैं।
- हम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के अवसर और दायित्व का महत्व समझते हैं।

1.2 उद्देश्य:

ध्येय की प्राप्ति के लिए सेल ने एक दिशात्मक वृद्धि योजना बनाई है जो अब कार्यान्वयन के उन्नत चरण में है। योजना के प्रमुख लक्ष्य/उद्देश्य हैं:

- मुख्यतः इस्पात व्यवसाय और इस्पात संबंधी गतिविधियों में बने रहना।
- बाज़ार हिस्से का संरक्षण करना और संवर्धन खंडों में बढ़ते हुए हिस्से पर केंद्रित होकर विकास करना।
- आधुनिकीकरण के बाद कच्चे इस्पात की 21.4 एमटीपीए उत्पादन क्षमता प्राप्त करना।
- लागत में कटौती और मूल्य संवर्धित उत्पादों के उत्पादन द्वारा लाभदेयता बढ़ाना।
- बीएफ-बीओएफ-सीसी रूट के माध्यम से अधिकतम उत्पादन करने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी का समावेश करना और अर्द्ध-तैयार माल में कमी लाना।